Notice

Internal Quality Assurance Cell (IQAC) of the College is organising a talk on 'New Education Policy-2020' to be delivered by Dr. Shweta, Assistant professor in Chemistry and Dr. Anukriti, Assistant professor in Pol.Sc. on Thursday, September 24, 2020 at 11:30 am in Seminar Hall, P.G. Block.

All worthy staff members are requested to attend.

Date: 21-09-2020

(Dr. Seema Gupta)
Co-ordinator, IQAC.

(Dr. S.K. Goyal)
Principal

Link to online video:

https://www.facebook.com/RksdCollegeKaithal/videos/2685031675087770/

कोरोना ने शिक्षा एवं उसके साधनों के प्रयोग में आमूल-चूल परिवर्तन ला दिए : गोयल

कैथल (प्रदीप हरित) : आर.के.एस. डी. कॉलेज की आंतरिक गुणवत्ता मूल्यांकन समिति द्वारा नई शिक्षा नीति 2020 पर एक विस्तार व्याख्यान का आयोजन करवाया गया। सैल की संयोजिका डा. सीमा गुप्ता ने प्राचार्य एवं सभी प्राध्यापकों का स्वागत किया एवं विषय को विचारार्थ पेश किया। प्राचार्य डा. संजय गोयल ने अपने वक्तव्य में इस बात पर जोर दिया कि कोरोना महामारी ने शिक्षा एवं उसके साधनों के प्रयोग में आमूल-चूल परिवर्तन ला दिए हैं। इसके साथ ही नयी शिक्षा नीति की भी घोषणा हो गई है। अत: हमें नया सत्र शुरू होने से पहले नई शिक्षा नीति से अवगत हो जाना चाहिए। इससे हमें अपना लक्ष्य स्पष्ट होगा कि भावी समाज के लिए नीति निर्माताओं ने कौन से लक्ष्य रखे हैं तथा उन्हें प्राप्त करने का कार्यक्रम क्या होगा। इसके बाद मुख्य वक्ताओं असिस्टैंट प्रोफैसर डा. अनुकृति एवं डा. श्वेता गर्ग ने पावर प्वाईंट प्रजेन्टेशन के माध्यम से नई शिक्षा नीति के सभी बिंदूओं को क्रमवार प्रस्तुत किया। प्रो. श्वेता गुप्ता ने शिक्षा नीति के आरम्भ एवं इसके ऐतिहासिक विकास पर प्रकाश डाला। डा. अनिल नरुला, डा. गीता गोयल, प्रो. रचना सरदाना, डॉ. मंजुला गोयल ने विभिन्न प्रश्नों के द्वारा चर्चा को आगे बढ़ाया। डा. सी.बी. सैनी एवं प्राचार्य डा. संजय गोयल ने चर्चा-परिचर्चा को सम्पन्न किया।

DS 25-9-2020

व्याख्यान में भाग लेते हुए प्रोफैसर्ज।

व्याख्यान में आरकेएसडी की आईक्यूएसी ने नई शिक्षा नीति 2020 पर की चर्चा

शिक्षाविद बोले- नया सत्र शुरू होने से पहले नई शिक्षा नीति से होना होगा अवगत

भास्कर न्यूज | कैथल

आरकेएसडी कॉलेज की आंतरिक गुणवत्ता मूल्यांकन समिति (आईक्यूएसी) द्वारा गुरुवार को नई शिक्षा नीति 2020 पर एक विस्तार व्याख्यान का आयोजन करवाया गया। इसमें कोरोना संबंधित सभी नियमों का पालन करते हुए स्टाफ के सभी सदस्यों ने हिस्सा लिया।

इस सेल की संयोजिका डॉ. सीमा गुप्ता ने प्राचार्य एवं सभी प्राध्यापकों का स्वागत किया एवं विषय को विचारार्थ पेश किया। प्राचार्य डॉ. संजय गोयल ने अपने वक्तव्य में इस बात पर जोर दिया कि कोरोना महामारी ने शिक्षा एवं उसके साधनों के प्रयोग में आमूल-चूल परिवर्तन ला दिए हैं। इसके साथ ही नई शिक्षा नीति की भी घोषणा हो गई है इसलिए हमें नया सत्र शुरू होने से पहले नई शिक्षा नीति से अवगत हो जाना चाहिए। इससे हमें अपना लक्ष्य स्पष्ट होगा कि भावी समाज के लिए नीति निर्माताओं ने कौन से लक्ष्य रखे हैं तथा उन्हें प्राप्त करने का कार्यक्रम क्या होगा। इसके बाद मुख्य वक्ताओं कॉलेज से ही असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. अनुकृति एवं डॉ. श्वेता गर्ग ने पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से नई शिक्षा नीति के सभी बिंदुओं को क्रमवार प्रस्तुत किया। प्रो. श्वेता गुप्ता ने शिक्षा नीति के आरंभ एवं इसके ऐतिहासिक विकास पर प्रकाश डाला। उन्होंने स्कूल शिक्षा के बारे में विशेष रूप से अपने विचार रखें। डॉ. अनुकृति ने उच्चतर शिक्षा के ऐतिहासिक विकास एवं नई शिक्षा नीति को विस्तार से विश्लेषण किया। उन्होंने विशेष रूप से अंतर्विषयक शिक्षा एवं इसके कार्यान्वयन के लिए किये गए प्रावधानों की चर्चा की।

कैथल | नई शिक्षा नीति पर व्याख्यान में विचार रखते शिक्षाविद।

DB 25-9-20

कालेज में नई शिक्षा नीति पर व्याख्यान आयोजित

नई शिक्षा नीति विस्तार व्याख्यान कार्यक्रम में मौजूद प्राचार्य डा. संजय गोयल व अन्य पदाधिकारी। (ल

लक्ष्य स्पष्ट होगा कि भावी समाज के लिए नीति निर्माताओं ने कौन-से लक्ष्य रखे हैं तथा उन्हें प्राप्त करने का कार्यक्रम क्या होगा। इसके बाद मुख्य वक्ताओं कालेज से ही अस्सिटैंट प्रो. डा. अनुकृति एवं डा. श्वेता गर्ग ने पावर प्वाइंट प्रैजेंटेशन के माध्यम से नई शिक्षा नीति के सभी बिंदुओं को क्रमवार प्रस्तुत किया। प्रो. श्वेता गुप्ता ने शिक्षा नीति के आरंभ एवं इसके ऐतिहासिक विकास पर प्रकाश डाला। उन्होंने स्कूल शिक्षा के बारे में विशेष रूप से अपने विचार रखे। डा. अनुकृति ने उच्चतर शिक्षा के ऐतिहासिक विकास एवं नई शिक्षा नीति को विस्तार से विश्लेषण किया। उन्होंने विशेष रूप से अंतर्विषयक शिक्षा एवं इसके कार्यान्वयन के लिए किए गए प्रावधानों की चर्चा की।

उन्होंने अध्यापक शिक्षण, ऑनलाइन शिक्षा तथा इसमें तकनीकी का प्रयोग एवं शिक्षा के लिए किए गए वित्तीय प्रावधानों का भी वर्ण किया। अंत में इस पर चर्चा-परिच भी हुई। डा. अनिल नरूला, डा. गी गोयल, प्रो. रचना सरदाना व डा मंजुला गोयल ने विभिन्न प्रश्नों द्वारा चर्चा को आगे बढ़ाया। डा. सी.व सैनी एवं प्राचार्य डा. संजय गोय ने इस विचार के साथ चर्चा-परिच को सम्पन्न किया कि किसी भी नी का अच्छा या बुरा होना इस क्रियान्वयन पर निर्भर करता है।

PUNJAB KESRI 25-09-2020